AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रदेश में होने वाले सामाजिक, व्यावहारिक बदलावों का अध्ययन करेगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब प्रदेश में होने वाले सामाजिक और व्यावहारिक बदलावों का अध्ययन करेगा। इसके लिए लविवि ने अशोका विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ सोशल एंड बिहेवियर चेंज (सीएसबीसी) के साथ एमओयू किया है। इससे प्रदेश में व्यवहार विज्ञान के अध्ययन को बढ़ावा मिलेगा। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस एमओयू के बाद विवि के विद्यार्थियों को पेशेवर और नीतिगत समस्याओं से निपटने के साथ वैज्ञानिक मानसिकता का विकास करने पर बल मिलेगा। व्यवहार विज्ञान और व्यावसायिक विकास संगोष्ठियों के अलावा यह एमओयू उत्तर प्रदेश के लिए व्यवहार विज्ञान विशेषज्ञ बनाने की यात्रा की शुरुआत है। बताया कि अशोका विश्वविद्यालय की ओर से साझेदारी का नेतृत्व सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन केंद्र कर रहा है, जो बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ओर से वित्त पोषित प्रमुख शोध केंद्र है। यह सेंटर स्वास्थ्य, पानी, वित्तीय समावेशन, स्थिरता और ग्रामीण आजीविका में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए साक्ष्य का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस सहयोग से सीएसबीसी संकाय लविवि परिसर में व्यवहार विज्ञान, व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर व्याख्यान व कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। लविवि छात्रों को यूपी बीआईयू टीम के नेतृत्व में अभिनव व्यवहार विज्ञान अनुसंधान में भाग लेने का अवसर मिलेगा। सीएसबीसी के निदेशक प्रो. पवन मामिदी ने एमओयू पर खुशी जताई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

अशोका विश्वविद्यालय के साथ हुआ एमओयू

नौ नए डिग्री कॉलेज खुलेंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय की अनापत्ति समिति की मंजूरी के बाद रास्ता साफ

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राजधानी में लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त नौ नए डिग्री कॉलेज खुलने का रास्ता साफ हो गया है। विवि की अनापत्ति समिति ने इस पर मुहर लगा दी है। इनके भू-संबंधी अभिलेखों का सत्यापन पहले ही हो चुका है। कार्य परिषद से अंतिम मुहर लगने के बाद नए सत्र से दाखिले शुरू हो जाएंगे।

लविवि से सहयुक्त नए कॉलेज खोलने के लिए आवेदन के बाद डीएम के माध्यम से उनके भू-संबंधी अभिलेखों का सत्यापन कराना होता है। विवि के लखनऊ के साथ अन्य जनपदों के कॉलेजों ने भी आवेदन किया था। भू-संबंधी अभिलेख के सत्यापन के बाद लविवि की

कार्य परिषद से अंतिम मुहर लगने के बाद नए सत्र से शुरू हो जाएंगे दाखिले

अनापत्ति समिति ने नौ डिग्री कॉलेजों के संचालन को मंजूरी दे दी है। अब कार्य परिषद की बैठक में औपचारिक मंजूरी के लिए इसे रखा जाएगा।

अन्य जनपदों के भी सात कॉलेजों को मंजूरी : लखनऊ के साथ अन्य जनपदों के भी सात नए कॉलेजों को मंजूरी दे दी गई है। इनमें सीतापुर में मनोकामिनी बालिका महाविद्यालय, मुलायम सिंह यादव मेमोरियल लॉ कॉलेज और कृष्णपाल सिंह लॉ कॉलेज के साथ हरदोई में ज्ञानदीप लॉ कॉलेज तथा श्री महेंद्र नाथ महाविद्यालय को मंजूरी मिली है। रायबरेली में लालगी लॉ कॉलेज तथा श्रीराम जानकी महाविद्यालय के संचालन को एनओसी मिली है।

इन कॉलेजों को मिली हैं अनुमति

कॉलेज	पाठ्यक्रम
सरोज कॉलेज ऑफ लॉ, अहमामऊ	-एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स
मां भगवती इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जुगौर पिनहाट	-बीबीए, बीसीए
बाल निकुंज गर्ल्स डिग्री कॉलेज मोहिबुल्लापुर	- बीसीए, बीकॉम
ब्राइट कैरियर डिग्री कॉलेज, महिलाबाद	- बीए, बीकॉम
सूर्या कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, सुल्तानपुर रोड	बीकॉम, बीसीए, बीबीएमसी
येदांता लॉ कॉलेज, तिवारीपुर जानकीपुरम	- एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स
एलबीएस लॉ कॉलेज, हिचारीगंज अयोध्या रोड	- एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स
सिटी कॉलेज ऑफ लॉ काकाबाद जेठरा माल अंबेडकर कॉलेज ऑफ हायर स्टडीज कठवारा बीकेटी	- एलएलबी - बीकॉम, बीसीए

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग में भारतीय अर्थव्यवस्था पर आधारित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का बुधवार को समापन हो गया। इसमें डॉ. संदीप गोयल ने बताया कि टाटा पावर ने मिसाल पेश की है। कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। डॉ. शाद अहमद खान ने कहा, नीति निर्माताओं और व्यवसायों को सतत विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस दौरान एमएलसी उमेश द्विवेदी, अश्विनी कुमार सिंह, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. जसराज बोहरा आदि थे। (संवाद)

कार्यशाला से दिया गर्भसंस्कार का मंत्र

लखनऊ। गर्भ में पल रहे बच्चे में आध्यात्मिक ज्ञान, संगीत के साथ सकारात्मकता का संचार होना चाहिए। माताओं के साथ पिता को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। वे चाहें तो बीबीके डिग्री कॉलेज के सचिव भगुराम तिवारी समाधान में डॉ. मणिनी श्रीवास्तव ने कहीं। वे लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ वीमेन स्टडीज की ओर से महिला सशक्तीकरण और गर्भ संस्कार कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने महिला सशक्तीकरण में पुरुषों की भूमिका पर चर्चा की। विवि की प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने महिलाओं की समस्याओं और उनके हल पर चर्चा की। (संवाद)

i-NEXT PAGE 3

समाज में सकारात्मक परिवर्तन और कॉर्पोरेट वृद्धि को मिले बढ़ावा

लखनऊ विश्वविद्यालय में सम्मेलन का आयोजन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (12 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में भारतीय लेखांकन संघ, लखनऊ शाखा के सहयोग से 'तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान डॉ. संदीप गोयल ने टाटा पावर की उत्कृष्ट उदाहरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए बदलाव की बात की. उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन और कॉर्पोरेट वृद्धि को बढ़ावा देने की बात की. डॉ. शाद अहमद खान ने नीति निर्माताओं और व्यवसायों को ऐसी सतत विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी. प्रो. अवधेश कुमार ने जी20 देशों के दृष्टिकोण और प्रधानमंत्री द्वारा सतत विकास लक्ष्यों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के बारे में विचार व्यक्त किए. इं. अश्वनी कुमार सिंह ने शिक्षा के महत्व को उजागर करते हुए और जनसंख्या को सशक्त बनाने के लिए अनुकूलता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया. वहीं, उमेश द्विवेदी ने संविधान के उद्देश्य को याद दिलाया. सम्मेलन में आर्थिक वृद्धि के विषय पर चर्चा में अभूतपूर्व योगदान के लिए शीर्ष चार प्रस्तुतियों को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित करने के साथ विदाई समारोह से समाप्त हुआ.

JAGRAN CITY PAGE III

अब बीटेक में भी सर्टिफिकेट व डिप्लोमा

लवि में बीटेक पाठ्यक्रम में भी नई शिक्षा नीति होगी लागू, बैठक में प्रस्ताव पर मुहर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बीटेक पाठ्यक्रम में अब नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत बदलाव किया गया है। इस कोर्स में एंट्री व एग्जिट की सुविधा मिलेगी। यानी एक साल की पढ़ाई करके छोड़ने पर सर्टिफिकेट, दूसरे साल में एडवांस सर्टिफिकेट, तीसरे साल में डिप्लोमा व चौथे साल में डिग्री मिलेगी। गत 10 और 11 अप्रैल को हुई लवि के इंजीनियरिंग संकाय की बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

लवि के दूसरे परिसर में इंजीनियरिंग संकाय संचालित है। इसमें बीटेक, बीसीए सहित अन्य कोर्स की पढ़ाई होती है। इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि अभी तक चार साल के बीटेक में पूरी पढ़ाई करने पर डिग्री मिलती है। बैठक में बीटेक इन सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एंट्री व एग्जिट की सुविधा देने की सहमति बन गई है। जल्द ही कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बीसीए में भी इसे शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शैक्षिक सत्र 2023-24 से यह व्यवस्था लागू की जाएगी।

बीटेक व एमटेक विद रिसर्च भी कर सकेंगे : बीटेक चौथे साल में रिसर्च ओरिएंटेड वर्क होगा, जिसमें विद्यार्थियों को डिग्री बाय रिसर्च दी जाएगी। उनके लिए एमटेक बाय रिसर्च की सुविधा भी होगी।

अब राजभवन पहुंचा पंजीकरण शुल्क का मामला : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक और परास्नातक कोर्सों में प्रवेश के आवेदन से पहले 100 रुपये का पंजीकरण शुल्क अनिवार्य किए जाने का मामला अब राजभवन पहुंच गया है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआइ) और आल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन ने बुधवार को राजभवन में ज्ञापन देकर इसे समाप्त करने की मांग उठाई। एनएसयूआइ से प्रिंस प्रकाश, विशाल सिंह, अंकित चौधरी और शुभम ने कहा कि आवेदन के लिए पहले से ही 800 से ज्यादा शुल्क देना पड़ रहा। उसके साथ अतिरिक्त पंजीकरण शुल्क 100 रुपये देने से विद्यार्थियों पर अधिक भार पड़ रहा। यह शुल्क हटाया जाना चाहिए।

बीए, एमए सम सेमेस्टर की कक्षाएं आज से

श्री जय नारायण मिश्र पीजी कालेज (केकेसी) में गुरुवार से बीए और एमए की सम सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। प्राचार्य प्रो. मीता साह ने बताया कि बीए दूसरे, चौथे, छठे और एमए दूसरे व चौथे सेमेस्टर की छात्राओं को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार कक्षाओं में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के मुताबिक 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। जिनकी उपस्थिति इससे कम होगी, वह सम सेमेस्टर परीक्षा से वंचित किए जा सकते हैं।

एमबीए में अध्यात्म व वैदिक ज्ञान की होगी पढ़ाई

एकेटीयू में अगले सत्र से एमबीए में विद्यार्थी अध्यात्म, वैदिक विजडम और मैनेजमेंट एंड डिजाइन थिंकिंग की भी पढ़ाई करेंगे। इससे विद्यार्थियों को भारत के प्राचीन ज्ञान-विज्ञान से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही एमबीए में हैप्पीनेस विषय को भी शामिल किया जा रहा है। इस बदलाव से एमबीए के विद्यार्थी भविष्य में कार्यस्थल पर खुशनुमा माहौल में काम करने के लिए तैयार होंगे।

इसके अलावा एमबीए में एग्जिट की सुविधा दी जाएगी। प्रबंधन शास्त्र के पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव किया जा रहा है। बुधवार को एकेटीयू परिसर में हुई पाठ्यक्रम समिति की बैठक में एमबीए के नए पाठ्यक्रम के प्रस्ताव को रखा गया। इसमें विद्यार्थी एमबीए प्रथम वर्ष करने के बाद यदि नौकरी में जाना चाहते हैं या किसी कारण से पढ़ाई छोड़ देते हैं तो उन्हें पीजीडीबीए (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) की डिग्री मिलेगी। प्रो. एम सिंगला की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रो. मोनिका सिंघानिया, प्रो. एमके झा, प्रो. संगीता साहू अन्य रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

समाज में सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने पर जोर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग भारतीय लेखांकन संघ (लखनऊ शाखा) के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

लविवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषय पर आयोजित किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरूआत अतिथि उमेश दिवेदी विधान परिषद् के सदस्य, उत्तर प्रदेश, इंजिनियर अश्वनी कुमार सिंह विधान परिषद् के सदस्य, प्रो. जसराज बोहरा, अध्यक्ष, लेखांकन संघ (लखनऊ शाखा) के भाषण से शुरू हुई। बुधवार को तकरीबन 150 शोध पत्रों के साथ तीन तकनीकी सत्रों

और एक प्लेनरी सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. संदीप गोयल ने टाटा पावर की उत्कृष्ट उदाहरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए बदलाव की बात रखी। उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन और कॉपोरेट वृद्धि को बढ़ावा देने की बात की। डॉ. शाद अहमद खान ने नीति निर्माताओं और व्यवसायों को ऐसी सतत विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी जो इस असमानता के मूल कारणों का समाधान करें, जिससे एक अधिक समान और समावेशी समाज की स्थापना हो सके। वहीं, अपने भाषण में प्रो. अवधेश कुमार ने जी-20 देशों के दृष्टिकोण और प्रधानमंत्री द्वारा सतत विकास लक्ष्यों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के बारे में विचार व्यक्त किए। इं.अश्वनी कुमार सिंह ने सम्मेलन में मुख्य भाषण देते हुए शिक्षा के महत्व को उजागर करते हुए और जनसंख्या को सशक्त बनाने के लिए अनुकूलता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण घटकों को उजागर किया और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अपील की, जिससे एक ज्ञान-आधारित समाज बनाया जा सके।

HINDUSTAN PAGE 6

महिला अध्ययन में एमए व गर्भ संस्कार में डिप्लोमा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान ने बुधवार को डीएवी पीजी कॉलेज में ह्यमहिला सशक्तीकरण व लिंग अध्ययन के क्षेत्र में करियर के अवसरह्न पर कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां महिला अध्ययन संस्थान की समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि महिला अध्ययन में एमए और गर्भ संस्कार में डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल है।

'ग्रेविटास 2.0' की शुरुआत

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में अंतर-महाविद्यालय दो दिवसीय कार्यक्रम 'ग्रेविटास 2.0' की शुरुआत कुलपति प्रो. आलोक राय ने की। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में लवि व कई कालेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिस्पर्धा के निर्णायक की भूमिका में लवि के व्यापार प्रबंधन विभाग से डा. निखाते कुमार व अन्य रहे। इसके बाद थिंक अ प्रोडक्ट स्पर्धा में छात्रों ने विभिन्न उत्पादों पर अपनी राय व्यक्त की। यहां प्रो. संगीता साहू, डा. निमिषा कपूर, रजिस्ट्रार संजय मेधावी व प्रो. पूनम टंडन उपस्थित रहीं।

PIONEER PAGE 3

बिहेवियरल साइंस को लेकर एक साथ आये लखनऊ विश्वविद्यालय व अशोका विश्वविद्यालय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय और अशोका विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ सोशल एंड बिहेवियर चेंज (सीएसबीसी) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में बिहेवियरल साइंस के क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। एक आशाजनक यात्रा की शुरुआत करते हुए दोनों संस्थानों ने वैज्ञानिक शिक्षा, अनुसंधान और पेशेवर कौशल विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। यह संयुक्त प्रयास उत्तर प्रदेश राज्य में व्यवहार विज्ञान के अध्ययन को प्रासंगिक बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा और लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रदान किए जाने वाले शैक्षिक अवसरों और व्यावसायिक विकास में वृद्धि करेगा।

व्यवहार विज्ञान पहल का नेतृत्व लखनऊ विश्वविद्यालय में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा किया जायेगा। व्यवहार विज्ञान और व्यावसायिक विकास संगोष्ठियों के अतिरिक्त, यह एमओयू उत्तर प्रदेश के लिए व्यवहार विज्ञान विशेषज्ञ बनाने की यात्रा की शुरुआत है। अशोका विश्वविद्यालय की ओर से साझेदारी का नेतृत्व सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन केंद्र कर रहा है, जो बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित एक प्रमुख शोध केंद्र है। केंद्र के शोधकर्ताओं ने स्वास्थ्य संचार, वैक्सीन, और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे कई शीर्ष अकादमिक पत्रिकाओं में अपना काम प्रकाशित किया है। इस सहयोग के माध्यम से सीएसबीसी संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में व्यवहार विज्ञान और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को यूपी बीआईयू टीम के नेतृत्व में अभिनव व्यवहार विज्ञान अनुसंधान में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

प्रगतिशील राष्ट्र का आधार है शिक्षित जनसंख्या : अश्वनी

जासं, लखनऊ: विधान परिषद सदस्य अश्वनी कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षित जनसंख्या प्रगतिशील राष्ट्र का आधार है। जनसंख्या का सही नियोजन किया जाना चाहिए। सिंह लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में '75 वर्ष के बाद तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में बोल रहे थे।

दो दिन के इस सेमिनार में बुधवार को तकनीकी सत्र में 150 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस दौरान विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी ने कहा कि भारत के मानव संसाधन और बौद्धिक पूंजी से विश्व को नेतृत्व दिया जा सकता है। लेखांकन संघ के अध्यक्ष प्रो. जसराज बोहरा ने कहा कि सरकार, व्यापारिक संस्थाएं और सिविल सोसाइटी सतत विकास के लिए मिलकर कार्य करें तो परिणाम सकारात्मक रहेगा। डा. संदीप गोयल, डा. शाद अहमद खान ने भी विचार रखे। सम्मेलन में आर्थिक वृद्धि के विषय पर चर्चा में शीर्ष चार प्रस्तुतियों को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया। डा. सुनीता श्रीवास्तव ने धन्यवाद दिया। सह संयोजक सचिव प्रो. राम मिलन, प्रो. सोमेश कुमार शुक्ला, डा. गीतिका टी कपूर सहित अन्य फैकल्टी मौजूद रही।

इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में डा.पुष्पेंद्र की पुस्तक का विमोचन करते विधान परिषद सदस्य अश्वनीश कुमार, साथ में प्रो.अवधेश कुमार , प्रो. जसराज बोहरा व विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी • जागरण

व्यवहार विज्ञान के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एमओयू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और अशोका विश्वविद्यालय के सेंटर आफ सोशल एंड बिहेवियर चेंज ने बुधवार को व्यवहार विज्ञान के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को रोजगार और इंटर्नशिप में मदद की जाएगी।

दोनों संस्थान एक सप्ताह में कार्य योजना तैयार करने के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त करेंगे। व्यवहार विज्ञान पहल का नेतृत्व लवि में बिजनेस एडमि- निस्ट्रेशन विभाग और इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा किया जाएगा। अशोका विश्वविद्यालय की ओर से साझेदारी का नेतृत्व सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन केंद्र (सीएसबीसी) कर रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लवि प्रोफेशनल और नीतिगत समस्याओं से निपटने के लिए तथा विद्यार्थियों की वैज्ञानिक मानसिकता का विकास करने के लिए यह एमओयू लाभदायक है। सीएसबीसी के निदेशक प्रो. पवन मामिदी ने कहा कि भारत में व्यवहार विज्ञान को आगे बढ़ाने के इस सहयोग से खुश हूं।

THE PIONEER PAGE 2

WOMEN EMPOWERMENT

The Institute of Women's Studies, University of Lucknow, organised a programme on 'Women Empowerment and Career Opportunities in Gender Studies' on Wednesday. The event aimed to raise awareness about the importance of women empowerment and the professional growth opportunities available to students in the field of Gender Studies. The program featured a street play and information on various enterprising courses offered by the institute that guarantee placement.

Madhurima Lal, Director of Sanskritiki at the University of Lucknow, spoke about how women's empowerment is not only a moral issue but also an existential issue for civilization as a whole. Meanwhile, Manini Srivastav, Coordinator of the Institute of Women's Studies, informed students about the institute's courses, including an MA in Women's Studies and a diploma course in Garbha Sanskar.

SESSION ON PSYCHOLOGY

An offline session on Application of Psychology in Corporates was organised by Department of Psychology, University of Lucknow under the guidance of Department of Psychology head Archana Shukla. The speaker of the session was Aditya Birla Global Centre Leadership Learning programme director Alok Sinha, who spoke about applications of Psychology and also shared his own experiences. Happy Thinking Laboratory director Madhurima Pradhan, Department of Psychology assistant professors Manini Srivastav and Megha Singh were also pre-

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

व्यवहार विज्ञान विशेषज्ञ बनाने की यात्रा की हुई शुरुआत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और अशोका विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ सोशल एंड बिहेवियर चेंज (सीएसबीसी) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में बिहेवियरल

● लविवि व सीएसबीसी के बीच करार

साइंस के क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। एक आशाजनक यात्रा की शुरूआत करते हुए दोनों संस्थानों ने वैज्ञानिक शिक्षा, अनुसंधान और पेशेवर कौशल विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। यह संयुक्त प्रयास उत्तर प्रदेश राज्य में व्यवहार विज्ञान के अध्ययन को प्रासंगिक बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा और लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों को दिये जाने वाले शैक्षिक अवसरों और व्यावसायिक विकास में वृद्धि करेगा। व्यवहार विज्ञान पहल का नेतृत्व लविवि में व्यापार प्रशासन विभाग और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा किया जायेगा। व्यवहार विज्ञान और व्यावसायिक विकास संगोष्ठियों के अतिरिक्त, यह एमओयू उत्तर प्रदेश के लिए व्यवहार विज्ञान विशेषज्ञ बनाने की यात्रा की शुरूआत है। अशोका विवि की ओर से साझेदारी का नेतृत्व सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन केंद्र (सीएसबीसी) कर रहा है, जो बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) द्वारा वित्त पोषित एक प्रमुख शोध केंद्र है। सीएसबीसी स्वास्थ्य, पानी, वित्तीय समावेशन, स्थिरता और ग्रामीण आजीविका में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए साक्ष्य का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करता है। केंद्र के शोधकर्ताओं ने स्वास्थ्य संचार, वैक्सीनः एक्स, और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे कई शीर्ष अकादमिक पत्रिकाओं में अपना काम प्रकाशित किया है। एक साल पहले, उडइ ने एक उत्तर प्रदेश व्यवहार अंतर्दृष्टि इकाई (यूपी बीआईयू) की स्थापना भी की।

शिक्षित जनसंख्या प्रगतिशील राष्ट्र का आधार : अश्विनी सिंह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के भारतीय लेखांकन संघ (लखनऊ शाखा) के सहयोग से बुधवार को स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरूआत मुख्य अतिथि एमएलसी उमेश दिवेदी, एमएलसी इंजीनियर अश्वनी कुमार सिंह और लेखांकन संघ (लखनऊ शाखा) के अध्यक्ष प्रो. जसराज बोहरा के भाषण से शुरू हुई। दूसरे दिन तकरीबन 150 शोध पत्रों के साथ तीन तकनीकी सत्रों और एक प्लेनरी सत्र का आयोजन हुआ।

अपने भाषण में प्रो. अवधेश कुमार ने जी20 देशों के दृष्टिकोण और प्रधानमंत्री द्वारा सतत विकास लक्ष्यों पर मार्गदर्शन देने के बारे में विचार व्यक्त किये। सम्मेलन में मुख्य भाषण देते हुए इंजीनियर अश्वनी कुमार सिंह ने शिक्षा के महत्व को उजागर करते हुए और जनसंख्या को सशक्त बनाने के लिए अनुकूलता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित जनसंख्या स्थायी और प्रगतिशील राष्ट्र का आधार है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण घटकों को उजागर किया और उसके प्रभावी क्रियान्वयन की अपील की ताकि एक ज्ञान-आधारित समाज बनाया जा सके।

AMRIT VICHAR PAGE 4

'ग्रेविटास 2.0' की हुई शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में अन्तर-महाविद्यालय दो दिवसीय कार्यक्रम 'ग्रेविटास 2.0' की शुरुआत हो गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति आलोक कुमार राय ने की। वहीं रजिस्ट्रार संजय मेधावी एवं डीन ऑफ़ स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन भी उपस्थित रहे।

इस भव्य आयोजन में यूं तो कई अतिथियों का आगमन देखने मिला किन्तु उनमे से अत्यंत प्रमुख अतिथि एवं वक्ता जिन्होंने अधिवेशन में अपने व्याख्यान से छात्रों को मंत्रमुग्ध किया, वे थे डॉ. संदीप गोयल, भारतीय व्यवसायी, मीडिया उद्यमी और लेखक, संदीप गोयल जी मोगे समूह के संस्थापक और वर्तमान अध्यक्ष भी हैं, और 37 वर्षों से विज्ञापन, मीडिया और डिजिटल उद्योग में अपनी सेवा प्रदान की है। ग्रेविटास 2.0 में सर्वप्रथम 'पोस्टर मेकिंग' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के साथ-साथ कई अन्य कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया । प्रतिभागियों ने 'प्रबंधन कला' के विषय पर अपनी अनमोल कला का सुचारू रूप से प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी, साथ में कुलपति आलोक कुमार राय। अमृत विचार

150 शोध पत्र प्रस्तुत, तीन सत्र आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग भारतीय लेखांकन संघ (लखनऊ शाखा) के सहयोग से दो दिवसीय स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में उमेश दिवेदी विधान परिषद् के सदस्य, के रूप में की। दूसरे दिन तकरीबन 150 शोध पत्रों के साथ तीन तकनीकी सत्रों और एक प्लेनरी सत्र का आयोजन किया गया।

इस दौरान डॉ. संदीप गोयल ने टाटा पावर की उत्कृष्ट उदाहरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए बदलाव की बात की। उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन और कॉर्पोरेट वृद्धि को बढ़ावा देने की बात की। डॉ. शाद अहमद खान ने नीति निर्माताओं और व्यवसायों को ऐसी सतत् विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी जो इस असमानता के मूल कारणों का समाधान करें जिससे एक अधिक समान और समावेशी समाज की स्थापना हो सके। अपने भाषण में प्रोफेसर अवधेश कुमार ने जी20 देशों के दृष्टिकोण और प्रधानमंत्री द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के बारे में विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। अमृत विचार

- **लखनऊ विश्वविद्यालय में '75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित**

LOKSATYA PAGE 3

सतत विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वाणिज्य विभाग भारतीय लेखांकन संघ लखनऊ की ओर से स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के उपरांत तृतीय महत्तम अर्थव्यवस्था की ओर भारत के बढ़ते कदम विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि विधान परिषद् के सदस्य उमेश दिवेदी, विधान परिषद् के सदस्य इंजीनियर अश्वनी कुमार सिंह, अध्यक्ष, लेखांकन संघ लखनऊ प्रो जसराज बोहरा ने संबोधन किया।

150 शोध पत्रों के साथ तीन तकनीकी सत्रों और एक प्लेनरी सत्र आयोजित हुआ। डॉ. संदीप गोयल ने टाटा पावर की उत्कृष्ट उदाहरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए बदलाव की